Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 16-08-2005

Participants : Mishra Dr. Rajesh Kumar

>

Title : Need to protect the Silk Industry of Eastern Uttar pradesh by Imposing higher duty on imported silk.

डॉ. राजेश मिश्रा (वाराणसी) : महोदय, मैं केन्द्र सरकार का ध्यान पूर्वी उत्तर प्रदेश में विशेा रूप से वाराणसी क्षेत्र में कार्यरत स्माल स्केल इंडस्ट्रीज, कॉटन इंडस्ट्रीज, वुडन ट्वाय इंडस्ट्रीज को आ रही समस्याओं की ओर दिलाना चाहता हूं। आज वैश्वीकरण के युग में जिस प्रकार ि वदेशी कंपनी बाजार में अपना व्यवसाय जमा रही है और हमारे देश की उत्पादित वस्तुएं उनके साथ कम्पटीशन में पिछड़ रही है, उस दृटि से इस पर विशेा ध्यान देने की आवश्यकता है। वाराणसी क्षेत्र में जितने भी उद्योग लगे हैं, उनमें निर्मित वस्तुओं का देश में ही नहीं विदेशों में भी भारी मांग है। लेकिन संसाधनों की व्यवस्था न होने के कारण हमारे उद्योग पिछडते जा रहे हैं। विदेशी वस्तुओं के मुकाबले हमारे देश में निर्मित हर सामान अच्छा और टिकाऊ है। मार्केटिंग के क्षेत्र में बुनकरों द्वारा निर्मित सिल्क पर डयूटी लगायी जाती है जबकि विदेशी सिल्क में जो डयूटी लगायी जाती है, वह कम होने के कारण विदेशों का माल सस्ती और पूर्वी उत्तर प्रदेश में निर्मित माल काफी मंहगा हो जाता है। इसलिए विदेशों के सामानों और सिल्क पर और ज्यादा डयूटी होनी चाहिए ताकि हमारे बुनकर बाजार में उनका मुकाबला कर सके। मेरी केन्द्र सरकार से मांग है कि पूर्वी उत्तर प्रदेश के उद्योगों को ज्यादा से ज्यादा राहत दी जाये।